No. of Printed Pages : 6

MBG–005

M. A. (BHAGWADGITA STUDIES)

(MABGS)

Term-End Examination

June, 2026

MBG-005 : VIBHUTIYOGA

Time : 3 Hours *Maximum Marks : 100*

Note : *This question paper consists of two Section. All Sections are compulsory. Answer the question according to the instruction given in Sections.*

Section—A

Note : *Answer any* ***four*** *of the following questions.* 4×15=60

1. Mention the elements of the Science of Living-Beings as described in the Gita.
2. Describe Indra in the form of Divine Manifestation.
3. Describe the Saptarsi in the form of Divine Manifestations.

4. Give the description of Śastradhārī Rama in the form of Divine Manifestation.
5. Write an introduction of Kapilamuni on the basis of Vibhutiyoga.
6. Describe the nature of Environmental Science according to the Gita.
7. Describe Śaṃkara in the form of Divine Manifestation.

Section—B

Note : *Answer any* ***four*** *of the following questions.* 4×10=40

1. Write a note on the Divine Manifestation Candramā.
2. Describe the Surya in the form of Divine Manifestation.
3. Write a note on the Intellect of Hanumān.
4. Write about the special characteristics of the Sanatkumaras as Divine Manifestation.
5. Describe Gandharva in the form of Divine Manifestation.

6. Explain that Kubera and Yakṣa are also Divine Manifestations.

7. Explain the following :

अहं सर्वस्य प्रभवो मत्तः सर्वं प्रवर्तते।

इति मत्वा भजन्ते मां बुधा भावसमन्विताः॥

MBG–005

एम. ए. (भगवद्गीता अध्ययन)

(एम. ए. बी. जी. एस.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2026

एम.बी.जी.-005 : विभूतियोग

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *यह प्रश्न-पत्र* **दो** *खण्डों में है। सभी खण्ड अनिवार्य हैं। खण्डों में दिए निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

भाग—क

नोट : *निम्नलिखित में से किन्हीं* **चार** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

$4 \times 15 = 60$

1. गीता में वर्णित प्राणिविज्ञान के तत्त्वों का उल्लेख कीजिए।

2. देवविभूति के रूप में इन्द्र का वर्णन कीजिए।

3. देवविभूतियों के रूप में सप्तर्षियों का वर्णन कीजिए।

4. विभूति के रूप में शस्त्रधारी राम का वर्णन कीजिए।

5. विभूतियोग के आधार पर कपिलमुनि का परिचय लिखिए।

6. गीता के अनुसार पर्यावरण विज्ञान के स्वरूप का वर्णन कीजिए।

7. देवविभूति के रूप में शंकर का वर्णन कीजिए।

भाग—ख

नोट : *निम्नलिखित में से किन्हीं* ***चार*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

$4 \times 10 = 40$

1. देवविभूति चन्द्रमा पर टिप्पणी लिखिए।

2. विभूति के रूप में सूर्य का वर्णन कीजिए।

3. हनुमान की बुद्धिमत्ता पर टिप्पणी लिखिए।

4. सनकादि कुमारों का विभूति के रूप में वैशिष्ट्य लिखिए।

5. गन्धर्व का विभूति के रूप में वर्णन कीजिए।

6. सिद्ध कीजिए की कुबेर तथा यक्ष भी ईश्वरीय विभूति हैं।

7. व्याख्या कीजिए :

अहं सर्वस्य प्रभवो मत्तः सर्वं प्रवर्तते।

इति मत्वा भजन्ते मां बुधा भावसमन्विताः॥

× × × × ×